पंजाब केसरी 22/2/2025

हमें अपनी मातृभाषा से प्रेम करना चाहिए : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 21 फरवरी (बलराम): छावनी के जी.एम.एन. कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर हिन्दी विभाग, पंजाबी विभाग एवं संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गांव उगाड़ा में मातृभाषा के वैशिष्ट्य को सूचनात्मक सत्र एवं प्रश्नोत्तरी सत्र के द्वारा विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

अपने संदेश में प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने इन गतिविधियों की सराहना करते हुए आह्वान किया कि हमें अपनी मातृभाषा से प्रेम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से सांस्कृतिक विविधता और भाषायी पहचान को बढ़ावा मिलता है।

हिन्दी विभागाध्यक्ष डा. रितु गुप्ता ने कहा कि मातृभाषा ही वह एक सूत्र है जिसके जरिए हमारा परिवेश और समाज हमारे अनुभव का हिस्सा बनता है। मातृभाषा का अपमान हमें अपने जड़ों से दूर करता है। अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए हमें अपनी मातृभाषा से जुड़कर रहना चाहिए।

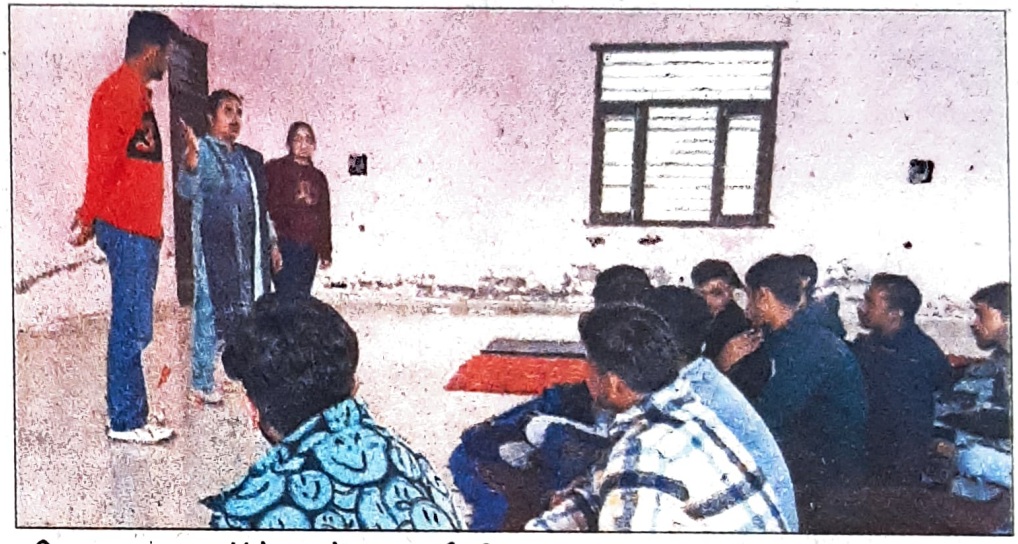

जी.एम.एन. कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर गांव उगाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

अपने वक्तव्य में डा. राजेंद्र कुमार ने बताया कि साहित्य जगत मातृभाषा में समृद्ध होगा तो भाषाएं भी संरक्षित होंगी। डा. अनीश कुमार ने विद्यार्थियों से रूबरू होते हुए बताया कि आज मातृभाषा पर संकट है। मातृभाषा के नष्ट होने से जाति समुदाय की परंपराओं का भी अंत होता है। ऐसे में, मातृभाषा को बचाने के लिए लोगों को जागरूक होना होगा।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पंजाबी विभागाध्यक्ष डा. जसवीर कौर और संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. प्रियंका बालदिया ने प्रश्नों के माध्यम से यही समझाने का प्रयास किया कि अगर हम अपनी मातृभाषाओं को बढ़ावा नहीं देंगे तो भाषाई विविधता स्वयं ही समाप्त हो जाएगी।